Chapter- 16

बरगद और हाथी

STUDY NOTE

विषय सारांश।

यह एक घमंडी हाथी तथा परोपकारी बरगद की कहानी है। यह घटना बहुत पुरानी है। एक घने जंगल मे तालाब के किनारे एक पुराना बरगद का पेड़ था । वह जंगल के सभी पशु पक्षियों की मदद करता था। एक बार एक दूसरे जंगल से एक घमंड़ी हाथी आया। उसे पेड़ की तारीफ सुनकर अच्छा नहीं लगा। उसने पेड़ के पास जाकर कहा अरे! बुढ़े पेड़ मैंने सुना है तुम खड़े खड़े सबकी मदद करते हो क्या यह सच है, मैं भी देखुँगा यह कहते हुए उसने पेड़ की पत्तियों को तोड़ कर खाया और बिना कारण अपनी खुशी के लिए टहनियों और डालियों को तोड़ डाला। यह सब देखकर पेड़ ने कहा बेकार में मेरे पत्तों और टहनियों को मत तोड़ो क्योंकि ऐसा करने से इस पर रहने वाले पक्षी गीर जाएँगे। लेकिन घमंडी हाथी ने बरगद की बातों को अनसुना कर दिया ठीक उसी समय एक छोटी सी चींटी पेड़ से निकली और हाथी के सूँड़ में घुस गई तभी हाथी ने चीटीं को बाहार निकालने के लिए अनेक उपाय किए पर चीटीं पर कुछ असर न हुआ। वह दर्द से चिल्लाने लगा और मदद के लिए पुकारने लगा तभी अचानक से हाथी को तालाब के पानी की याद आ गई, उसने अपने सूँड़ में पानी भरा और पानी को ज़ोर से सूँड़ से बाहार फेंका तो चींटी निकल गई तालाब के ऊपर तो पानी था, लेकिन नीचे दलदल था, जिसकी खबर हाथी को नहीं थी। हाथी बेचारा दलदल में फस गया तभी अचानक से उसकी नज़र बरगद पर पड़ी उसने बरगद से बड़े नरम भाव से कहा बरगद दादा मेरी मदद करो मुझे इस दलदल से निकालो, तभी बरगद दादा ने हाथी को दलदल से निकालने के लिए अपनी सबसे बड़ी डाल नीचे झुकादी उस ड़ाल की मदद से हाथी दलदल से बाहर आ गया। बाहर आकर हाथी को यह समझ आ गया की सभी पेड़ की तारीफ क्यों करते हैं, वह बरगद के पास जाकर उससे माफी माँगी और वहाँ से चला गया।

कहानी की सीख- हमे कभी भी दूसरों को कम नहीं समझना चाहिए और कभी भी घमंड़ नहीं करना चाहिए।

१) कौन पशु पक्षियो की मदद करता था ?

उ- बरगद पशु पक्षियो की मदद करता था।

२) हाथी ने किस तरह से चींटी को बाहर निकाला ?

उ- हाथी ने अपने सूँड़ नें पानी भर कर उसे ज़ोर से सूँड़ से बाहर फेंका और पानी के साथ चींटी भी निकल गई। इस तरह से चींटी को हाथी ने बाहर निकाला।

३) हाथी किसमें फँस गया था ?

उ- हाथी दलदल में फँस गया था ।

४) बरगद ने किस तरह से हाथी की मदद की ?

उ- बरगद ने अपनी सबसे बड़ी ड़ाल को नीचे झुका दिया उस ड़ाल को पकड़कर हाथी दलदल से निकल आया।

नए शब्द तथा उनके अर्थ

घमंड़ी – अहंकारी

तारीफ़- बडाई

असर-प्रभाव

मुसीबत-संकट

माफी-क्षमा

मौखिक

श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास

तालाब

बरगद

जंगल
घमंड़ी
थारीफ़
मदद
पत्तियाँ
टहनियाँ
सूँड़
मुसीबत

लिखित

१. उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए:-

क) पेड़ जंगल के सभी पशु – पक्षियों की मदद करता था।

ख) एक बार जंगल में एक घमंडी हाथी आया।

ग) चींटी हाथी की सूँड़ में घुस गई।

घ) तालाब के नीचे दलदल थी।

ङ) हाथी ने पेड़ से माफी माँगी।

२. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क) बरगद का पेड़ कहाँ था ?

उ-बरगद का पेड़ तालाब के किनारें था।

ख)हाथी को किसकी तारिफ सुनना अच्छा नहीं लगा ?

उ-हाथी को बरगद के पेड़ की तारीफ सुनना अच्छा नहीं लगा।

ग) हाथी ने क्या तोड़ ड़ाला ?

उ-हाथी ने पेड़ की टहनियो ओर डालियों को तोड़ ड़ाला।

◆◆◆